Hindi Murli Quiz 05-11-2015

.

Q.1) **Q.`बच्चे, बाप जो पढ़ाते हैं, उसे अच्छी रीति पढ़ो तो 21 जन्मों के लिए सोर्स आफ इनकम हो जायेगी, सदा ----बन जायेंगे"**

निम्लिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें।

A. सुखी
B. एवेरहेल्दी
C. भरपूर
D. मालामाल

Q.2) **Q. " तुम बच्चे ही इस समय बाप को जानते हो, तुमने ही बाप द्वारा सृष्टि के आदि मध्य अन्त को जाना है। तुम अभी संगम पर बेहद में खड़े हो। जानते हो अभी हम इस खारी चेनल से अमृत के मीठे चेनल में जा रहे हैं। हमें स्वयं भगवान पढ़ा रहे हैं, ऐसी खुशी ब्राह्मणों को ही रहती है इसलिए अतीन्द्रिय सुख तुम्हारा ही गाया हुआ है।"**

A. सही
B. गलत

Q.3) **Q.वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलायें-----**

	Choice	Match
A	यह तो समझते हो कि हम जीव आत्मायें हैं,	परन्तु निश्चय तो अपने को आत्मा करना है ना।
B	तुम जानते हो कि बाबा हमको बहुत अच्छी पढ़ाई पढ़ाते हैं,	जिससे 21 जन्मों की इनकम मिलती है।
C	बच्चे भूल गये हैं - यह पाचवां युग गीता का युग है ।	यह संगम बहुत छोटा है, वास्तव में चौथाई भी नहीं कहेंगे।
D	मनुष्य चाहे पुण्य आत्मा हो अथवा पाप आत्मा हो, कोई भी बाप को नहीं जानते,	सिर्फ तुम ब्राह्मण ही संगमयुग पर जान रहे हो।
E	ईश्वर को तो समर्थ कहते हैं परन्तु माया भी कम नहीं है।	तुम बच्चे अभी एक्यूरेट जानते हो, इनका तो नाम ही रखा है रावण।

Q.4) **Q. सही वाक्य ही चयन करें -------**

A. गाडली पढ़ाई को एक दिन भी मिस नहीं करना चाहिए, हाँ, टीचर के आने के बाद भी लेट पहुँच सकते हैं ।
B. हमारा है सर्वोत्तम ब्राह्मण कुल, डिनायस्टी नहीं होती है। बाप भी ऊचं ते ऊंच है तो जरूर उनकी आमदनी भी ऊंची होगी।
C. तुम्हारी आत्मा और शरीर दोनों की पूजा होती है। बाप की तो सिर्फ आत्मा की ही होती है,उनको शरीर है नहीं।
D. तुम कितने ऊंच थे। अब कितने आरफन बन गये हो, अभी तुम बाप के बने हो तो सारे विश्व के मालिक बन जाते हो।

Explanation: -----गाडली पढ़ाई को एक दिन भी मिस नहीं करना चाहिए, टीचर के आने के बाद लेट भी नहीं पहुँचना चाहिए।

Q.5) **Q. "तुम्हारे योग में ----- कितनी जबरदस्त है। भोजन तुम योग में रहकर बनाओ, खिलाओ तो बुद्धि इस तरफ खीचेंगी।"**

निम्लिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें।

A. ताकत
B. हिम्मत
C. कशिश
D. खींच

Q.6) **Q. "तुम बच्चे समझते हो भक्ति मार्ग का विस्तार तो बहुत है, उनका वर्णन नहीं कर सकते। यह बीज, वह झाड़ है। बीज का वर्णन कर सकते हैं। बाकी कोई को बोलो पेड़ के पत्ते गिनती करो तो कर नहीं सकेंगे। बीज में तो पत्ते की निशानी दिखाई नहीं पड़ती है। वन्डर है ना। इनको भी कुदरत कहेंगे। जीव जन्तु कितने वन्डरफुल हैं। अनेक प्रकार के कीड़े हैं, कैसे पैदा होते हैं, बहुत वन्डरफुल ड्रामा है, इसको कहा ही जाता है नेचर। यह भी बना बनाया खेल है। सतयुग में क्या-क्या देखेंगे। वह भी नई चीजें ही होंगी, एवरीथिंग न्यु होता है।"**

A. सही
B. गलत

Q.7) **मैचिंग की इस एक्सरसाइज में उपयुक्त शब्द से ही रिक्त स्थान भरें ------**

	Choice	Match
A	बाप कहते हैं कि मुझे कहते ही हो, हेविनली --------।	गॉड-फादर।
B	अभी -------की स्थापना हो रही है। वहाँ क्या-क्या होगा, यह सिवाए तुम्हारे और कोई की बुद्धि में नहीं है।	स्वर्ग ।
C	तुम अब फिर से विश्व के --------बन रहे हो । प्रजा भी ऐसे कहेगी ना कि हम -------- हैं।	मालिक ।
D	यह बातें सुनकर फिर दूसरों को भी सुनानी है, इसलिए ---------- खोलते रहते हैं ।	सेन्टर वा म्युजियम ।
E	हम ----------थे, सुखी थे। अभी तमोप्रधान बने हैं तो दु:खी हैं फिर ---------- बनना है ।	सतोप्रधान ।

Q.8) **Q. आज की धारणा पर आधारित वाक्य ही चयन करें ------**

A. ☑ हम गॉडली स्टूडेन्ट हैं, इसलिए पढ़ाई का नशा भी रहे और अपने कैरेक्टर्स पर भी ध्यान हो।
B. ☑ एक दिन भी पढ़ाई मिस नहीं करनी है। देर से क्लास में आकर टीचर की इनसल्ट नहीं करना है।
C. ☐ इस विकारी छी-छी दुनिया से भी प्रीत रखनी है ।
D. ☑ बाप की याद से अप.नी आत्मा को पवित्र सतोप्रधान बनाने का पुरूषार्थ करना है।
E. ☑ सदैव खुश, हार्षितमुख रहना है।

Explanation: --- इस विकारी छी-छी दुनिया से नफरत रखनी है ।

Q.9) **Q." साइन्स वाले पृथ्वी से स्पेश में जाने वालों की हर गति विधि को जान सकते हैं। ऐसे आप त्रिकालदर्शा बच्चे साइलेन्स अर्थात् याद के बल से अपने वा दूसरों के श्रेष्ठ पुरूषार्थ वा स्थिति की गति विधि को स्पष्ट जान सकते हो। दिव्य बुद्धि बनने से, याद के शुद्ध संकल्प में स्थित होने से त्रिकालदर्शा भव का वरदान प्राप्त हो जाता है और नये-नये प्लैन प्रैक्टिकल में लाने के लिए स्वत: इमर्ज होते हैं।"**

A. ◉ सही
B. ○ गलत

Q.10) **Q.निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ------**

"सर्व के सहयोगी बनो तो ------स्वत: प्राप्त होता रहेगा।"

- स्नेह
- सनेह
- स्णेह
- SNEH
- सणेह
- SANEH